वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

शनिवार, पौष कृष्ण पक्ष, तृतीया, कलियुग वर्ष ५१२२ (२ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

३ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-03012021

देव स्तुति

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तु ते॥

अर्थ : हे आदिदेव भास्कर (सूर्य) ! आपको प्रणाम है, आप मुझपर प्रसन्न हों । हे दिवाकर ! आपको नमस्कार है, हे प्रभाकर ! आपको प्रणाम है।

शास्त्रवचन

अलमलमियमेव प्राणिनां पातकानां ।
निरसनविषये या कृष्णकृष्णेति वाणी ।

यदि भवति मुकुन्दे भक्तिरानन्दसान्द्रा
विलुठति चरणाब्जे मोक्षसाम्राज्य लक्ष्मीः ॥

अर्थ : सर्वज्ञमुनिके अनुसार नाम महिमा : 'कृष्ण-कृष्ण', इस प्रकार उच्चारण करनेवाली जो वाणी है, यही प्राणियोंके पातकोंको दूर करनेमें पूर्णतः समर्थ है । यदि मुकुन्दमें आनन्दघनस्वरूपा भक्ति हो जाती है, तो मोक्ष साम्राज्यकी लक्ष्मी उस भक्तके चरण कमलमें स्वयं आकर लोटने लगती है।

****

कः परेतनगरीपुरंदरः को भवेदथ तदीयकिंकरः।
कृष्णनाम जगदेकमंगलं कण्ठपीठमुररीकरोति चेत ॥

अर्थ : यदि जगतका एकमात्र मंगल करनेवाला श्रीकृष्ण-नाम कण्ठके सिंहासनको स्वीकार कर लेता है तो यमपुरीका स्वामी उस कृष्ण भक्तके सामने क्या है ? अथवा यमराजके दूतोंका क्या अस्तित्व है।

धर्मधारा

१. व्यसनी पुत्रको सुधारने हेतु संस्कारोंकी आवश्यकता है, स्त्रीकी नहीं !

अनेक लोग अपने पुत्रकी, जो या तो कोई मनोरोगी होता है या किसी व्यसनका दास होता है, उसका विवाह किसी युवतीसे करा देते हैं कि विवाहके पश्चात उसमें अपेक्षित सुधार आ जाएगा; किन्तु ऐसे माता-पिता यह नहीं समझते हैं कि वे ऐसा करके एक स्त्रीका जीवन नारकीयकर, पापके भागी बनते हैं । जिस पुत्रको उन्होंने जन्म दिया, उसे यदि वे योग्य मार्ग नहीं

दिखा सके तो एक पराये घरसे आई स्त्री, जो उस व्यक्तिको जानतीतक नहीं है, उसे अकस्मात कैसे सुधार सकती है ?

****

२. नामजपकी परिणामकारकताको कैसे बढाएं ? (भाग-५)

नामजप करते समय सात्त्विक उदबत्ती (सनातन संस्थाकी उदबत्तीका उपयोग कर सकते हैं) लगानेसे एवं सात्त्विक वस्त्र धारणकर बैठनेसे भी लाभ होता है । वस्तुत: कर्मकाण्डकी साधना हेतु एक पृथक वस्त्र होता है, उसी प्रकार आरम्भिक अवस्थामें पुरुषस सूती या रेशमी धोती एवं स्त्रियां साडी पहनें तो उसका भी लाभ मिलता है, साथ ही तिलक लगानेसे मनकी एकाग्रतामें वृद्धि होती है । प्राथमिक स्तरकी खेचरी मुद्रा (मात्र जिह्वाको उल्टाकर यथाशक्ति तालूमें लगाना) करनेसे भी नामजपमें मन शीघ्र एकाग्र होता है । यदि नामजपसे पूर्व 'नमक' पानीसे स्नान या 'नमक' पानी युक्त जलमें पन्द्रह मिनिट हेतु पांव डुबोया जाए तो भी मन एवं बुद्धिका आवरण नष्ट होता है एवं नामजपमें एकाग्रता बढती है । 'नमक' पानीसे स्नानकी विधि : स्नान करते समय थोडासा (एक चम्मच) मोटा एवं ढेलेवाला 'नमक' (प्राकृतिक सेंधा नमक, रॉक साल्ट) एवं गोमूत्र डालकर दस लोटे पानीसे प्रथम स्नान करें, तत्पश्चात नित्य सामान स्नान करें ! 'नमक' पानीमें पांव डुबोनेकी विधि : आधी बाल्टी शीतल जलमें एक चम्मच गोमूत्र एवं एक चम्मच सेंधा 'नमक' डालकर उसमें पन्द्रह मिनिट पांव डालें और उसके पश्चात स्वच्छ जलसे पांव धो लें एवं जलको जहां लङ्घन न पडे, ऐसे स्थानपर फेंक दें ! वर्तमान कालमें सभी साधकोंको कष्ट है; अतः ऊपर बताई दोनों प्रक्रियाएं नियमित करनेका प्रयास करना चाहिए, इससे आभामण्डल स्वच्छ होता

है और मन सकारात्मक एवं शान्त रहता है।

****

३ . अपनी छविको साम्प्रदायिक होनेसे बचानेवाले आजके तथाकथित धर्मगुरु

अगस्त २०११ में कश्मीरमें धर्मयात्राके मध्य एक विश्व प्रसिद्ध हिन्दू धर्म गुरुसे मिलनेका सौभाग्य प्राप्त हुआ । एक हिन्दुत्ववादी कश्मीरी पण्डित जो मेरे परिचित थे और वहांके हिन्दुत्ववादी नेता थे, उन्हें उन धर्मगुरुने मिलने हेतु बुलाया था, उनके आग्रहपर मैं भी उनके साथ गई । हमें उनके सत्संगका सौभाग्य मिला। मैंने अपने हिन्दुत्ववादी परिचितको मेरा अधिक परिचय देनेसे मना किया था । धर्मगुरुने पांच मिनिटमें उस क्षेत्र उस हिन्दुओंकी दुर्दशाके विषयमें अपनी चिन्ता दर्शाई और हिन्दुओंके रक्षण हेतु कुछ उपाय बताए और अपना सहयोग देनेकी इच्छा जताई। हम उनके दर्शनकर बाहर निकले तो जिस परिचितके साथ मैं गई थी, उन्होंने कहा, “यह सब नौटंकी है, मुझे ज्ञात है, ये कुछ नहीं करनेवाले ।" वे पहले भी उनसे मिलना नहीं चाहते थे; परन्तु धर्मगुरुजी ही उनसे मिलना चाहते थे, उस परिचितका आध्यात्मिक स्तर ६०% है और उस धर्मगुरुका ५०% । मैं सबकुछ साक्षीभावसे सुन सीढीसे उतर रही थी कि तभी स्वामीजीके एक शिष्य आए और हमसे धीरेसे बोले, "देखिए ! स्वामीजीने जो कहा है उसे सबको न बताएं, अपनेतक ही सीमित रखें ! हम आपको भीतरसे जितना हो सकेगा सहयोग करेंगे।" उस शिष्यके जानेके पश्चात हम दोनों अपनी हंसी रोक न पाए; क्योंकि जब धर्मगुरुजी, हम दोनोंसे बात कर रहे थे तब वहां उनका कोई शिष्य नहीं था अर्थात उन्होंने ही अपने शिष्यको ऐसा सन्देश देने हेतु बताया होगा ! अब ५०%

स्तरवाले धर्मगुरुसे आप और अपेक्षा भी क्या कर सकते हैं ? वे निश्चित ही पहले अपनी छवि बचाएंगे; क्योंकि यदि उन्होंने खुलकर हिन्दू धर्मकी रक्षाकी बात सबके समक्ष की तो लोग उन्हें साम्प्रदायिक कहेंगे, ऐसेमें अरब देशके शेखोंसे आनेवाली धन राशि रुक नहीं जाएगी ! अब आप सब उस धर्मगुरुका नाम न पूछें ! आम खाएं, गुठलीमें रुचि न दिखाएं ! मैं तो मात्र आपको आजके धर्मगुरु (जिन्हें लोग सन्त कहते हैं) उनकी एक झलक प्रस्तुत कर रही हूं; क्योंकि जब कोई गुरुपदके अधिकारी अर्थात सन्त नहीं होते हैं तो उन्हें अपने छविकी (अहंकी) अत्यधिक चिन्ता होती है। वस्तुतः हिन्दू धर्मके पतन हेतु ऐसे अनधिकृत धर्मगुरु अधिक उत्तरदायी हैं । आनेवाले कालमें ईश्वरीय विधान अनुसार सबकी पोल खुल जाएगी।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

संस्कारी सन्तान

महर्षि कपिल प्रतिदिवस पैदल अपने आश्रमसे गङ्गास्नानके लिए जाया करते थे । मार्गमें एक छोटासा गांव पडता था । जहांपर कई किसान परिवार रहा करते थे। जिस मार्गसे महर्षि गङ्गास्नानके लिए जाया करते थे, उसी मार्गमें एक विधवा ब्राह्मणीकी कुटिया भी पडती थी । महर्षि जब भी उस मार्गसे गुजरते, ब्राह्मणी या तो उन्हें सूत कातते मिलती या धान कूटते । एक दिवस विचलित होकर महर्षिने ब्राह्मणीसे इसका कारण पूछ ही लिया। पूछनेपर पता चला कि ब्राह्मणीके घरमें उसके पतिके अतिरिक्त आजीविका चलनेवाला कोई न था ।

अब पतिकी मृत्युके पश्चात पूरे परिवारके भरण पोषणका उत्तरदायित्व उसीपर आ गया था।

कपिल मुनिको ब्राह्मणीकी इस अवस्थापर दया आ गई और उन्होंने उसके पास जाकर कहा, “भद्रे ! मैं पासके आश्रमका कुलपति कपिल हूं। मेरे कई शिष्य राजपरिवारोंसे हैं। यदि तुम चाहो तो मैं तुम्हारी आजीविकाकी स्थाई व्यवस्था करवा सकता हूं। मुझसे तुम्हारी यह असहाय अवस्था देखी नहीं जाती।

ब्राह्मणीने हाथ जोडकर महर्षिका आभार व्यक्त किया और कहा, “मुनिवर, आपकी इस दयालुताके लिए मैं आपकी आभारी हूं; परन्तु आपने मेरा अभिज्ञान करनेमें (पहचाननेमें) थोडी भूल की है। न तो मैं असहाय हूं और न ही निर्धन। आपने सम्भवतः देखा नहीं, मेरे पास पांच ऐसे रत्न हैं, जिनसे यदि मैं चाहूं तो स्वयं राजा जैसा जीवनयापन कर सकती हूं; परन्तु मैंने अभीतक उनकी आवश्यकता अनुभव नहीं की, इसलिए वह पांच रत्न मेरे पास सुरक्षित रखे हैं।"

कपिल मुनि विधवा ब्राह्मणीकी बात सुनकर आश्चर्यचकित हुए और उन्होंने कहा, “भद्रे ! अगर आप अनुचित न समझे तो आपके वे पांच बहुमूल्य रत्न मुझे भी दिखाए। देखूं तो, आपके पास कैसे बहुमूल्य रत्न हैं ?"

ब्राह्मणीने आसन बिछा दिया और कहा, “मुनिवर आप कुछ समय बैठें, मैं अभी अपने रत्न आपको दिखाती हूं। इतना कहकर ब्राह्मणी पुनः सूत कातने लगी। थोडे समयमें ब्राह्मणीके

पांच पुत्र गुरुकुलसे लौटकर आए। उन्होंने आकर महर्षि और मांके चरण छुए और कहा, "मां ! हमने आज भी किसीसे झूठ नहीं बोला, किसीको कटु वचन नहीं कहा, गुरुदेवने जो सिखाया और बताया उसे परिश्रमपूर्वक पूर्ण किया है।

महर्षि कपिलको और कुछ कहनेकी आवश्यकता नहीं पडी। उन्होंने ब्राह्मणीको प्रणामकर कहा, "भद्रे ! निःसन्देह तुम्हारे पास अति बहुमूल्य रत्न हैं, ऐसे अनुशासित बच्चे जिस घरमें हों, जिस देशमें हों, उसे चिन्ता करनेकी आवश्यकता ही नहीं है।

घरका वैद्य

गुड (भाग-७)

आंखोंके लिए गुडके लाभ : यदि आपकी आंखोंमें दृष्टिकी निर्बलता है तो आपको प्रतिदिन गुडका सेवन करना चाहिए; क्योकि यह दृष्टिकी निर्बलताके लिए औषधिके रूपमें कार्य करता है। गुडका सेवन आपकी आंखोंकी दृष्टिको तीव्रतासे बढाता है।

गुड खानेके अन्य लाभ : जिन लडकियोंको मासिक धर्मका कष्ट होता है अर्थात मासिक धर्म नियमित रूपसे नहीं होता है, उन्हें प्रतिदिन तीन-चार बार गुडका सेवन करना चाहिए। इसके सेवनसे मासिक धर्मकी कठिनाईमें बहुत लाभ मिलता। आपको भूख नहीं लगती है या भूख लगनेपर भी खाना अच्छा नहीं लगता है, ऐसेमें आपको गुडका सेवन करना चाहिए। इसके लिए आप दिनमें न्यूनतम तीन बार गुडका सेवन करें ! इससे आप अच्छी प्रकारसे भोजन करने लगेंगे और आपका

स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा । ठण्डमें कई लोगोंको कानमें पीडा रहती है, जिसके कारण वे बहुत कष्टमें रहते हैं । ऐसेमें गुड और घीको पकाकर खानेसे कानकी पीडामें बहुत लाभ मिलेगा । गुड 'मैग्नीशियम'का एक अच्छा स्रोत है । थकान मिटानेके लिए गुडका सेवन बहुत ही लाभदायक होता है । इसके लिए आप प्रतिदिन गुडका सेवन कीजिए । इससे आपको बहुत लाभ होगा । यदि आपपर कार्यका बहुत दबाव है और आप इसके कारण दुःखी रहते हैं तो आपको दस बीस ग्राम गुडका सेवन प्रतिदिन अवश्य करना चाहिए ।

गुडसे हानियां : गुड खानेके लाभके साथ-साथ इससे कुछ हानियां भी हैं । गुडका प्रभाव उष्ण (गर्म) होता है । ग्रीष्म ऋतुमें गुड अधिक खा लेनेसे नाकमेंसे रक्त निकलने लगता है । मधुमेहके रोगियोंको गुडका अधिक मात्रामें सेवन करनेसे मधुमेहका स्तर बढ जाता है । गुडका अधिक मात्रामें और अधिक समयतक नित्य-निरन्तर सेवन करनेसे आपका भार बढ सकता है । 'अल्सरेटिव-कोलाइटिस'में गुडका सेवन नहीं करें ! यदि आपके शरीरमें 'सूजन' है तो गुडका सेवन नहीं करें ! यह आपके शरीरकी 'सूजन' बढा सकता है ।

रातको सोनेसे पूर्व, 'गर्म' दूधके साथ गुडका सेवन करनेसे आपका पाचन तो श्रेष्ठतर होगा ही, साथ ही यह उदरसे (पेटसे) जुडी समस्याओंसे लाभ दिलानेमें भी सहायक सिद्ध हो सकता है ।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

सांसद तेजस्वी सूर्यने मार्गोंका नामकरण मुसलमानोंके नामपर किए जानेका किया विरोध

बेंगलुरुमें मार्गोंका नामकरण मुसलमानोंके नामपर किए जानेपर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्याने विरोध प्रकट किया है। उन्होंने बृहत बेंगलुरू महानगरपालिकाके आयुक्त एन मंजूनाथ प्रसादको पत्र लिखकर इसपर विचार करनेको कहा है। उन्होंने अपने आधिकारिक सामाजिक जालस्थलके 'ट्विटर हैंडल'से यह पत्र साझा भी किया है। प्रकरणको उठाते हुए उन्होंने कहा कि 'मेरे संज्ञानमें आया है कि बृहत बेंगलुरू महानगरपालिकाने पदारायणपुराके 'वार्ड' क्रमांक १३५ के अनेक मार्गोंके नाम मुसलमान व्यक्तियोंके नामपर रखने का प्रस्ताव दिया है, इसपर मैंने आपत्ति प्रकट करते हुए कहा कि मुसलमान बहुल क्षेत्रमें सडकोंका नामकरण मुसलमानोंके नामपर करना 'टू नेशन थ्योरी'वाली सोच है। उन्होंने इस सोचको साम्प्रदायिक सोच बताते हुए कहा कि जैसे 'मुस्लिम लीग'ने हिन्दू और मुसलमानोंके लिए भिन्न-भिन्न मतदाता सूचीकी मांग की थी, यह कृत्य भी उसी समान है एवं निन्दनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे राष्ट्रमें अनेक अहिन्दू महापुरुष और राष्ट्रभक्तोंक मार्गोंका नामकरण होना चाहिए । उन्होंने नगरपालिकासे अनुरोध किया है कि सूचीगत मार्गोंके नाम व्यापक सार्वजनिक चर्चाके पश्चात ही निर्धारित होने चाहिए। 'मीडिया' प्रतिवेदनके अनुसार, 'बीबीएमपी'के अधिकारियोंने पत्रपर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है । वहीं यह विवाद 'बीबीममपी'द्वारा जनपदके इंदिरा नगरमें १०० फुट चौडे मार्गका नामकरण डॉ. एस के करीम खानके नामपर करनेके पश्चात उत्पन्न हुआ है।

तेजस्वी सूर्य प्रशंसाके पात्र हैं कि उन्होंने पिछले ७० वर्षोंसे अनेकों मार्गो, राष्ट्रीय संस्थाओं व अनेक

पुरस्कारोंपर इसी प्रकारका साम्प्रदायिक सोचको प्रोत्साहित करनेवाले प्रकरणको उठाया है। आज भी नेता हैं, जो सत्य बोलनेका साहस करते हैं । आनेवाले हिन्दूराष्ट्रमें ऐसे सभी नामोंको परिवर्तित अवश्य ही किया जाएगा।

****

अर्पण एकत्रित करते राम भक्तोंपर मुसलमानोंने बरसाए पत्थर, अपराधियोंके निवास क्षेत्रको ध्वस्तकर बनाई जाएगी 'पार्किंग'

मध्य प्रदेशके उज्जैनमें पुलिसने १८ अपराधी मुसलमानोंको बन्दी बनाया है । मुसलमान समुदायके इन अराजक तत्त्वोंने चन्दा मांग रहे राम भक्तोंपर पत्थर बरसाए थे । जिस भवनसे पत्थर मारे गए थे, वह एक अवैध निर्माण प्रमाणित हुआ । अब वहां सभी अवैध निर्माणोंको मध्य प्रदेश शासनद्वारा ध्वस्त किया जाएगा । उस स्थानपर वाहनोंके लिए 'पार्किंग' बनाई जाएगी।

पत्थर मारनेवाले ३६ अपराधियोंमेंसे पांचपर 'रासुका'की कार्यवाही की जा रही है। इसी मध्य एक अपराधीकी प्रतिभूति भी न्यायालयद्वारा निरस्त की जा चुकी है । 'बेगमबाग'के इस क्षेत्रमें अधिक तनावके कारण, भारी पुलिस सुरक्षा लगा दी गई है।

अवैध भवन ध्वस्त करनेके लिए 'जेसीबी' उपकरणका (मशीनका) प्रयोग किया गया । वहांके प्रभावित निवासियोंको 'धतरावदा' गांवमें बसाया जाएगा, जिसका निर्माण विचाराधीन है।

सन्देहास्पद ३६ अपराधियोंमेंसे शेष सभी दोषियोंको ढूंढा जा रहा है। इस क्षेत्रमें मुसलमानोंद्वारा राम भक्तोंको पत्थर मारे जानेसे, दस लोग चोटिल हो गए थे। भारी पथरावके कारण हिन्दुओंने अपनी सुरक्षार्थ वहांसे भागते हुए, अपने वाहन वहींपर छोड दिए थे; किन्तु जिहादियोंने उनके सभी वाहनोंको क्षतिग्रस्त कर दिया।

जिस प्रकार शिवराज शासनद्वारा पत्थर मारनेवालोंके स्थानोंको ध्वस्त किया जा रहा है, यह निर्णय लेना अति प्रशंसनीय है। इसके अतिरिक्त जिन जिहादियोंको नई सदनिकाएं देनेका सङ्केत दिया गया है, उसके स्थानपर, उन्हें तम्बुओंमें स्थानान्तरित किया जाए, जिससे वे इस देशद्वारा प्रदान किए गए संसाधनोंका मूल्य समझ सकें। (३१.१२.२०२०)

****

कर्नाटकमें पंचायत चुनावकी मतगणनाके मध्य पाकिस्तान समर्थनमें 'नारे', 'एसडीपीआई'द्वारा प्रसारित दृश्यपटमें दृष्टिगत हो रहे आतङ्की

कर्नाटकमें ग्राम पंचायत चुनावोंकी मतगणनाके मध्य बुधवार, ३० दिसम्बरको पाकिस्तानके समर्थनमें 'नारे' लगाए जानेका दृश्यपट सामाजिक जालस्थानोंपर 'वायरल' हुआ है। इस दृश्यपटमें कुछ जिहादी आतङ्की उजीरेमें ग्राम पंचायत चुनावकी मतगणनाके मध्य पाकिस्तान समर्थनमें 'नारे' लगाते दृष्टिगत हो रहे हैं ! इस सम्बन्धमें कर्नाटकके दक्षिण कन्नडके मुख्य पुलिस अधीक्षक बीएम लक्ष्मीप्रसादने कहा है कि वे इस घटनाकी जांच करेंगे।

भारतीय जनता पार्टीने आरोप लगाया है कि प्रतिबन्धित 'पॉपुलर फ्रन्ट ऑफ इण्डिया'के राजनीतिक सङ्गठन, 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इण्डिया'की 'रैली'में पाकिस्तान समर्थित नारे लगाए गए, जबकि इसी सङ्गठनके बेल्थानगडी विधानसभा इकाईके अध्यक्ष हैदर अलीने इन आरोपोंका खण्डन करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता 'एसडीपीआई जिन्दाबाद' कह रहे थे; न कि 'पाकिस्तान जिन्दाबाद'।

पुलिसने प्राथमिकी प्रविष्ट कर ली है तथा 'सीसीटीवी फुटेज' देखकर और अधिक प्रमाण प्राप्त करने हेतु प्रत्यक्षदर्शियोंसे बात कर रही है। समाचार अनुसार १५ 'एसडीपीआई' कार्यकर्ताओंके विरुद्ध धारा १२४ अ (राजद्रोह) और धारा १४३ (असंवैधानिक विधानसभा) के अन्तर्गत आरोप प्रविष्ट किए हैं।

उल्लेखनीय है कि मतगणनामें प्रारम्भिक परिणाममें अधिकतर स्थानोंपर भाजपाके विजयके सङ्केत प्राप्त हुए हैं। अभी ३६७८१ ग्राम पंचायतोंके परिणाम लम्बित हैं।

देशमें किसी भी स्थानपर पाकिस्तानकी जयकार लगाना देशद्रोह है। 'एसडीपीआई'को 'पीएफआई'का समर्थन प्राप्त है। इससे पूर्व भी 'पीएफआई' देशविरोधी गतिविधियोंमें लिप्त पाई गई है; अतः ऐसी देश विरोधी गतिविधियोंपर त्वरित एवं कठोर कार्यवाही अपेक्षित है और ऐसे पाकिस्तानपरस्त आतङ्कियोंको मृत्युदण्ड देना भी उतना ही अनिवार्य है। (०१.०१.२०२१)

****

कठुआमें मन्दिरको लक्ष्य करके आतङ्कियोंने फेंका हथगोला

जम्मू-कश्मीरके कठुआ जनपदमें बुधवार, ३० दिसम्बर देर रात्रिको एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिससे सीमाके निकट रहनेवाले लोग व्यथित हो गए। इस विस्फोटमें कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। इस रहस्यमयी विस्फोटके तुरन्त पश्चात सुरक्षा संस्थाने कठुआके हीरानगर और आस-पासके क्षेत्रमें अन्वेषण अभियान आरम्भ कर दिया है।

जानकारीके अनुसार, आङ्तकवादियोंने जम्मू-कश्मीरके कठुआ जनपदमें बुधवारको एक मन्दिरको लक्ष्य बनाकर हथगोला फेंका; परन्तु इसका लक्ष्य चूक गया और यह थोड़ी दूर जाकर फटा, जिससे वहां स्थित लोगोंके मध्य 'अफरातफरी'की स्थिति बन गई । एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारीने यह जानकारी दी।

जम्मूमें शान्तिको प्रभावित करनेके उद्देश्यसे पाकिस्तानियोंके समर्थनपर पुंछ एवं जम्मू जनपदोमें हथगोलाकी योजनाको असफल करते हुए पुलिसने कालान्तरमें आङ्तकवादियोंके चार सहयोगियोंको बन्दी बनाया था, जिसके पश्चात यह आक्रमण किया गया।

आतङ्कियोंका लक्ष्य हिन्दू मन्दिरको तथा हिन्दुओंको नष्ट करनेका है; किन्तु सभी जिहादी आतङ्कियोंका अब नाश होने लगा है। इनका भी शीघ्र ही होगा, यह शासनसे अपेक्षा है।

****

'अल्लाह हू अकबर' चिल्लाती जिहादियोंकी भीडने हिन्दू मन्दिरको लगाई आग

पाकिस्तानके पख्तुनख्वा क्षेत्रसे हिन्दू धर्मके प्रति घृणाके भयावह चित्र व चलचित्र प्रसारित हो रहे हैं, जिसमे जिहादियोंद्वारा सैंकडोंकी सङ्ख्यामें एकत्र होकर हिन्दू मन्दिरसे देवताओंकी मूर्तियोंको खण्डित करके बाहर फेंक दिया गया और 'अल्लाह हू अकबर'के नारे लगाते हुए मन्दिरको आग लगाई गई। वहांके सामाजिक कार्यकर्ता राहत ऑस्टिनभी लिखते हैं कि इस चलचित्रमें घृणा, क्रोध और नारेको सुने व देखें। यह प्रत्येक वर्ष दशकाधिक बार हिन्दुओंके घरों और पूजा स्थलोंके साथ होता है; परन्तु किसी भी जिहादीको इस प्रकारके कुकृत्यके लिए दण्डित नहीं किया जाता।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले नवम्बरमें पाकिस्तानके भीमपुरा कराचीमें हिन्दुओंके प्राचीन मन्दिरपर आक्रमण करते हुए हिन्दू देवी-देवताओंको बाहर फेंक दिया गया था। इसके साथ ही देवी-देवतासे सम्बन्धित सामग्रियोंको भी फेंक दिया गया था। यद्यपि, उस समय आरोपी भाग गए थे; परन्तु आज सैंकडोंकी भीड घटनास्थलपर ही निर्भय होकर साम्प्रदायिक 'नारे' लगाते हुए मन्दिरको ध्वस्त कर रही है।

पाकिस्तान शासनद्वारा इनको सहयोग मिलता होगा, अन्यथा ऐसा नहीं होना चाहिए था। ऐसे राष्ट्रोंका अन्त ही अब हिन्दुओंके लिए सुखद समाचार लेकर आएगा।

****

हरियाणामें शस्त्रों सहित पकडा गया खालिस्तानी आतङ्की 'एसएफजे'से जुडे, २ नेताओंकी हत्याका मिला था निर्देश

हरियाणा पुलिसने वर्तमानमें करनालसे दो शस्त्रधारी खालिस्तानी आतङ्कवादियोंको बन्दी बनाया था, जो 'सिख फॉर जस्टिस'के लिए कार्य कर रहे थे । बन्दी किए गए आतङ्कवादियोंने पूछताछके मध्य उजागर हुआ कि वह अमेरिकी मूलके गुरमीत सिंहके सम्पर्कमें थे । खालिस्तानी गुरमीत सिंहने इनके खातेमें 'मनीग्राम'केद्वारा लाखों रुपए भेजे थे।

पूछताछमें दोनों आरोपियोंने यह भी बताया कि गुरमीत सिंहने उन्हें शस्त्र क्रय करने और दो ऐसे लोगोंकी हत्या करनेका आदेश दिया था, जिन्होंने कथित ढंगसे सिख पन्थके विरुद्ध बोला था । दैनिक जागरणमें प्रकाशित 'रिपोर्ट'के अनुसार, बन्दी किए गए खालिस्तानियोंका नाम तेजप्रकाश (काका) और आकाशदीप सिंह (सोनू) है । दोनों लुधियानाके रहनेवाले हैं। हरियाणाकी 'स्पेशल टास्क फोर्स'ने इनके पाससे कई शस्त्र और 'कारतूस' प्राप्त किए हैं।

हरियाणा पुलिसने इन खालिस्तानी आतङ्कियोंको उस समय पकडा, जब वे शस्त्र क्रयकर लौट रहे थे । पूछताछमें उन्होंने बताया कि वे दो शिवसेना नेताओंपर (सुधीर सूरी और गुरशरणमंद) आक्रमणकी योजना बना रहे थे । वह 'फेसबुक'केद्वारा 'SFJ'के गुरमीत सिंहसे लगातार सम्पर्कमें थे। गुरमीत सिंहने इन दोनोंको उनके कट्टरपन्थी विचारोंके कारण योजनामें सम्मिलित किया था । गुरमीत सिंहने दोनोंको शस्त्र क्रय करनेके लिए 'MoneyGram'से पैसे भेजे थे । दोनों खालिस्तानी आतङ्कियोंको 'यूएपीए'की धारा १० और १३, 'आर्म्स एक्ट'की धारा २५, ५४, ५९ और 'आईपीसी'की 'धारा १२० बी'के अन्तर्गत बन्दी बनाया है।

'SFJ'के इन दो आतङ्कियोंको ऐसे समयमें बन्दी बनाया गया है, जब किसान आन्दोलनमें इस प्रतिबन्धित सङ्गठनकी घुसपैठको लेकर आशंकाएं प्रकट की जा रही हैं।

पिछले कुछ समयमें ऐसे कई प्रकरण सामने आए थे, जिससे यह स्पष्ट था कि किसान आन्दोलनपर खालिस्तानी तत्त्वोंका अधिकार हो चुका है और इससे देशकी आन्तरिक सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

कई खालिस्तानी आतङ्की किसानोंके वेषमें प्रदर्शन स्थलपर पहुंचे और इन्दिरा गांधीकी हत्याके विषयपर अपनी पीठ थपथपाते हुए दृष्टिगोचर हुए । इसके अतिरिक्त वे प्रधानमन्त्री श्री. नरेन्द्र मोदीको भी धमकी देते हुए दिखे और कहा कि किसानोंकी मांग पूर्ण नहीं हुई तो उनकी भी वही स्थिति होगी।

किसानोंके छद्मरूपमें उपद्रवियोंने आन्दोलनको अधिकारमें ले लिया है; अतः शासनको इनका अभिज्ञानकर इनको कठोर दण्ड देना चाहिए, नहीं तो ये लोग देशकी आन्तरिक सुरक्षामें बाधा उत्पन्न कर सकते हैं और उपद्रव बढनेसे अपार जनहानि हो सकती है; अतः शासनद्वारा ऐसे सङ्गठनोंको तत्काल पूर्णरूपेण प्रतिबन्धित किया जाना चाहिए।

****

आंध्र प्रदेशमें गर्भगृहमें घुसे उपद्रवी, भगवान रामकी ४०० वर्ष पुरानी प्रतिमाका किया सिर धडसे पृथक

जिस समय अयोध्यामें राम जन्मभूमिपर राम मन्दिरका निर्माण चल रहा है, हमारे राज्यमें भगवान रामकी मूर्तिको नष्ट कर दिया गया है। प्रतिमाके सिरको पृथक करना किसी विक्षिप्त

व्यक्तिका कार्य नहीं हो सकता है। यह धार्मिक उन्मादियोंका कृत्य है। प्रदेशके विजयनगरम जनपदके नेल्लीमरला मण्डलमें एक पहाडीपर स्थित मन्दिरमें अज्ञात उपद्रवियोंने भगवान रामकी प्रतिमाको क्षतिग्रस्त कर दिया।

प्रतिमा रामतीर्थम गांवके पास पहाडीकी चोटीपर स्थित बोडिकोंडा कोदंडाराम मन्दिरमें विराजमान थी। कथित ढंगसे उपद्रवी ताला तोडकर मन्दिरके गर्भगृहमें घुसे और और स्वामी कोदंडारामुडुका सिर काटकर पृथक कर दिया!

जिहादी और धार्मिक उन्मादियोंका व्यवहार चाहे अफगानिस्तान हो, जहां कुछ वर्ष पहले पहाडियोंमें प्रतिमाओंको खण्डित किया था या भारतका राज्य आंध्र प्रदेश, जहां भगवान श्रीरामकी प्रतिमाको खण्डित किया है, यह ही जिहादियोंका लक्ष्य है। मुख्यमन्त्री जगन मोहन रेड्डी, जिनकी स्वयं 'पहचान' ही सन्दिग्ध है कि वे हिन्दूके परवेशमें ईसाई हैं या हिन्दू? उनके शासनमें या कुछ पूर्व उनके पिताके शासनकाल हिन्दुओंके धार्मिक आस्थास्थलोंपर सदैव चोट की गई है। राजनीतिक दलोंके विरोध प्रदर्शन 'वोटबैंक'की सुविधासे होते है; अत: आवश्यकता है कि प्रत्येक हिन्दू शासनके समक्ष विरोध प्रदर्शनकर दोषियोंके विरुद्ध यथोचित कार्यवाहीके लिए शासनको विवश करे! (०१.०१.२०२१)

****

'फाइजर'की 'वैक्सीन' लेनेवाली परिचारिकाको (नर्सको) छह दिन उपरान्त हो गया 'कोरोना'

'वैक्सीन' लेनेके ६ दिवस पश्चात, क्रिसमसके पूर्व, वह एक 'कोविड यूनिट'की 'शिफ्ट'में कार्य करनेके पश्चात रुग्ण हो गई।

उन्होंने बताया कि उन्हें ठण्ड लगी और मांसपेशियोंमें वेदना और थकान हुई।

'फाइजर'की 'वैक्सीन' लेनेके एक सप्ताहसे अधिक समय पश्चात कैलिफोर्नियामें ४५ वर्षीय परिचारिकाको 'कोरोना वायरस'से सङ्क्रमित पाया गया है। मैथ्यू डब्ल्यू नामकी यह 'नर्स', जो दो भिन्न स्थानीय चिकित्सालयोंमें कार्य करती हैं, उन्होंने १८ दिसम्बरको एक 'फेसबुक पोस्ट'में कहा था कि उन्होंने 'फाइजर वैक्सीन' ली है । उन्होंने कहा कि टीकाकरणके एक दिवस पश्चात तक उन्हें अपने हाथमें समस्या आई; परन्तु इसके अतिरिक्त उन्हें कोई और हानि नहीं हुई।

'वैक्सीन' बनानेके प्रयासमें प्रत्येक देश हैं; परन्तु जब विकसित देश जिन्होंने पूर्वमें भी कई घातक रोगोंकी विश्वसनीय 'वैक्सीन' दी हैं; परन्तु आज 'कोविड'के लिए बनाई 'वैक्सीन'के परिणाम सन्दिग्ध आ रहे हैं तो यह चिन्ताकी बात है। यह सोचनेको विवश कर देती है कि क्या इसे भारत जैसे देशको लेना चाहिए ? हमारे नेतागण बडी-बडी बातें करते हैं कि हमने आयुर्वेदके लिए मन्त्रालय खोल दिया है ? विश्वको रोगमुक्त करनेवाला भारत आज सन्दिग्ध परिणामके टीकोंके भरोसे बैठा है, यह लज्जाजनक है ! (०१.०१.२०२१)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार , त्योहारोंको एवं पाठशालाके

अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523 , 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य २ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ४ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, ६ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? ८ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा,

यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है । इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915